17-april- AMBIKAPUR--Bhoomi pg-1-JACKET_Layout 1 4/17/2025 8:24 PM Page 1

हरिभूमि

सरगुजा-भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

PCGRERA080524001773

DCT Real Estate Developers Bilaspur (C.G.)
प्रॉपर्टी मतलब DCT
ISO 9001- 2015 Certified

CHITVAN Farm
फ़ार्म मतलब चितवन

गोल्ड फ़ार्म की अपार सफलता के बाद
हम लाए है आपके लिए ख़ूबसूरत

चितवन फ़ार्म

चितवन में बसे, दिल में उतर जाए
घर तो वही घर है, जहाँ हर दिल मुस्कुराए
शहर की हर जगह पास नज़र आए

Distance From Site

Bhojpuri Toll Plaza
1 Minute

Bilha Mod
5 Minute

Pendridih Chowk
8 Minute

High Court
10 Minute

Airport
15 Minute

New Bus Stand
20 Minute

Nehru Chowk
25 Minute

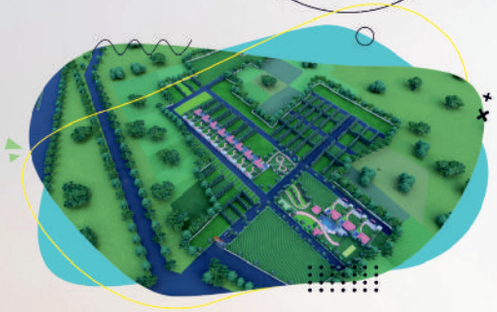

Site Address:
Mohda Mod, NH 130
Bilaspur (C.G.)

APPROVED I&C APPROVED

• रायपुर रोड का पहला एकमात्र फ़ार्महाउस प्रोजेक्ट • फ़ायनेंस सुविधा उपलब्ध

18, 19
एवं 20 अप्रैल
तक पहले 10 के बुकिंग पर
फ्री

Yoga & meditation zones
Kids play area
Swimming pool
Drainage system
CC road
Water supply
On-site temple
Electricity & water supply
Picket fenced plot boundaries

DCT Real Estate Developers Bilaspur (C.G.)
प्रॉपर्टी मतलब DCT
ISO 9001- 2015 Certified

DCT REAL ESTATE DEVELOPERS
प्रॉपर्टी मतलब DCT

Red. Office: Behind High Court, Chhatauna Road, Bilaspur (C.G.)
Contact for Site Visit & Booking : 6264883066, 7470886613

FOR SITE VISIT

खबर संक्षेप

टाटा मैजिक और ट्रक के बीच टक्कर, चालक घायल

बलरामपुर। माल वाहक वाहन टाटा मैजिक और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में टाटा मैजिक वाहन का चालक

गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि टाटा मैजिक वाहन का चालक अपने दुकान से रामानुजगंज की ओर जा रहा था जबकि अंबिकापुर की ओर से एक ट्रक आ रहा था। इस दौरान शकुन्तला पेट्रोल पम्प के समीप सामने से आ रहे ट्रक को देखकर टाटा मैजिक का चालक घबरा गया और गलत दिशा में साइड लेने के चक्कर में दोनों वाहनों के बीच भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में छोटा हाथी वाहन का चालक गाड़ी में बुरी तरह से फंस गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा कटर मशीन से वाहन को काटकर चालक को बाहर निकाला गया। घटना के बाद मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई। हाइवे पेट्रोलिंग की टीम द्वारा वाहन को हटाने के बाद आवागमन बहाल किया गया। इधर घटना के बाद ट्रक क्रमांक सीजी 30 जी 6092 का चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया था जिसे घटना स्थल से 4 किमी दूर बड़कीमहरी तिराहा के समीप पकड़ लिया गया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार (पेटलावृत्त) सीतापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र.-202408022100047/अ-6/2024-25
रा.प्र.क्र.-202408022100048/अ-6/2024-25

//ईश्तहार//

सर्व साधरण ग्राम पंचायत प्रतापगढ़ को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुरेखा पति राजा राम कश्यप जाति कहार निवासी ग्राम प्रतापगढ़ थाना व तहसील सीतापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा भू-राजस्व संहिता 1959 अन्तर्गत धारा 109, 110 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि वसीयतकर्ता बीतन बाई पति स्व. बीगन जाति कहार के संयुक्त एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम राधापुर प.ह.नं.- 13 तहसील सीतापुर जिला सरगुजा छ.ग. में कुल खसरा नं.-9 कुल रकबा 4.120 हे. तथा कुल खसरा नं.- 21 कुल रकबा-3.6740 हे. भूमि स्थित है। वसीयतकर्ता बीतन बाई पति स्व. बीगन का मृत्यु दिनांक 17/4/2024 को हो चुकी है। वसीयतकर्ता ग्राम प्रतापगढ़ स्थित कुल खसरा नं.- 9 कुल रकबा 4.120 हे. एवं कुल खसरा नं.- 21 कुल रकबा- 3.6740 हे. भूमि में 1/2 अंश हिस्से की अधिकारी है। अपने हिस्से की भूमि का वसीयतनामा दिनांक 6/11/2023 को दो गवाहों के उपस्थिति में उपपंजीयक कार्यालय सीतापुर में उपस्थित हो कर आवेदक के पक्ष में वसीयतनामा का निष्पादन कर दिया गया है। उक्त वाद भूमि को वसीयतनामा के आधार पर आवेदक के नाम से राजस्व अभिलेखों में नामांतरण किया जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, बी-1 सलग्न कर प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने किसी अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 21/04/2025 तक न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। समय-सीमा के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन सील मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
पेटलावृत्त

मौके पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने शीघ्र निराकरण के दिए आश्वासन

पेयजल संकट से जूझ रहे जयनगर चट्टीडांड के ग्रामीणों ने एनएच किनारे बर्तन रख किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने एनएच 43 किनारे खड़ा होकर विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन की सूचना पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों द्वारा तत्काल समस्या से निजात दिलाए जाने आश्वस्त किया, इसके बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त किया।

खास बात
- एक घंटे पश्चात समाप्त हुआ आंदोलन

गौरतलब है कि ग्राम जयनगर चट्टीडांड मोहल्ले के लोगों को पिछले करीब एक महीने से पेयजल की गंभीर समस्या से जूझने विवश होना पड़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा मामले की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में भी पिछले महीने किए जाने उपरांत भी कोई सुधार नहीं होने से पानी की किल्लत से जूझ रहे स्थानीय ग्रामीणों द्वारा गुरुवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 किनारे बर्तन रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन की सूचना तत्काल सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल को दी गई। जिस पर एसडीएम के निर्देश पर पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह, सुरजपुर जनपद सीईओ विनोद कुमार सिंह, पीएचई विभाग के एसडीओ वीके मिश्रा तत्काल मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश दी। करीब एक घंटे चले विरोध प्रदर्शन में सुरजपुर जनपद सीईओ व पीएचई एसडीओ द्वारा तत्काल व्यवस्था सुदृढ़ कराए जाने के आश्वासन पर स्थानीय ग्रामीणों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त दिया। जनपद सीईओ द्वारा ग्रामीणों की मांग पर तत्काल हैंडपंप खनन की स्वीकृति देते हुए लोगों को पेयजल संकट से निजात दिलाने का भरोसा दिया गया है। इस दौरान सरपंच पति राजेंद्र गवटिया, पूर्व सरपंच विजय सिंह, वेद प्रकाश मिश्र, उपसरपंच अफरोज, महेश सारथी, बंटेश्वर सारथी, देवेंद्र सोनवानी, राजकुमार, हल्का पटवारी शांतिलाल बर्नवाल व अन्य उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को समझाइश देते अधिकारी।

भाजपा ने किया अजा समाज के प्रतिनिधियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा स्थापना सेवा सप्ताह अंतर्गत संविधान गौरव अभियान में मंगलवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने अनुसूचित जाति समाज के प्रमुख व्यक्तियों से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और समाज के विजय इंगोले, अजय इंगोल, बेचन खटीक, सरगुजा घासी समाज के अध्यक्ष राणा बघेल, बिहारी राम रावत, देवनाथ खांडेकर, बॉबी नेताम से मिलकर शॉल व श्रीफल से उनका सम्मान किया।

इस दौरान जिला अध्यक्ष श्री सिसोदिया ने समाज प्रमुखों से भारतीय संविधान एवं बाबा साहब के दर्शन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर किसी दल विशेष के नहीं, बल्कि समस्त देशवासियों के प्रेरणा स्त्रोत है। उनका योगदान भारतीय समाज, संविधान और लोकतंत्र के प्रति अतुलनीय है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने बाबा साहब के विचारों को सही मायनों में अपनाया है और उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष ने कहा कि आज का यह संवाद सामाजिक समरसता और आपसी विश्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हम समाज के साथ मिलकर विकास के नए आयाम गढ़ेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता निलेश सिंह ने कहा कि हमारे संविधान की आत्मा सामाजिक न्याय है और भाजपा उसका सच्चा पालन करती है। समाज के साथ यह जुड़ाव हमें ऊर्जा देता है। इंदर भगत ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक है। भाजपा समाज को साथ लेकर सबका साथ, सबका विकास के संकल्प पर आगे बढ़ रही है। मनोज कंसारी ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल सम्मान का नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संवाद का उदाहरण है। भाजपा हमेशा समाज के हित में खड़ी रही है और रहेगी। सह संयोजक अनिल जायसवाल ने आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, काशीनाथ तिवारी, विद्यानंद मिश्रा, रूपेश दुबे, सिद्धार्थ मिश्रा, शैलेन्द्र शर्मा, मनोज सोनी, मयंक जायसवाल, राजकुमार सिंह एवं शंभु सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष का जगह-जगह किया गया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा के प्रथम आगमन पर नगर के बस स्टैंड, ग्राम जयनगर, सिलफिली व लटोरी में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया।गौरतलब है कि राज्य वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा को कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त होने पश्चात नगर में पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा जोशीला स्वागत किया गया। बस स्टैंड में पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य आतिशबाजी कर समर्थन में नारे लगाए गये। यहां पर स्वागत कार्यक्रम में सत्यनारायण जायसवाल, राजेश यादव, दीपेंद्र सिंह चौहान, अशोक अग्रवाल शोक्की, शशिकांत गर्ग, कृष्ण गोयल बल्लू, विनोद शाह, अमरेश सिंह, ज्योति सिंह व अन्य उपस्थित थे। ग्राम जयनगर में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय गोयल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। साथ ही वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा को फल से तौलकर स्वागत किया गया। उनके साथ प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी भी उपस्थित रहे। इस दौरान भाजपा मंडल शिवनंदनपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, संदीप सरकार, पवन बर्मन, बीडीसी धनेश्वरी, सरपंच श्रीमती राधाबाई, बलराम शील, कृष्णपाल बिंझिया, श्यामल समद्दार, जनार्दन कुशवाहा, बुलचू राजवाड़े, गुलन राम, रीता देवी, बंटेश्वर सारथी, संतरा बाई, राजेंद्र गवटिया व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसके अलावा ग्राम लटोरी में भी कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी कर स्वागत किया गया। इस दौरान वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा के साथ मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे।यहां पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती, जिला पंचायत सदस्य किरण केराम, सुरेश सोनी, बीड़ीसी मोहर लाल अगरिया,राजेंद्र जायसवाल व अन्य उपस्थित थे।

झारखंड से आए हमलावरों ने एक परिवार पर किया जानलेवा हमला

प्रतापपुर। नगर पंचायत के बनखेता में आज सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब झारखंड के पलामू जिले से आए कुछ लोगों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल का अस्पताल में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, झारखंड के चयनपुर थाना अंतर्गत ग्राम सलतुआ निवासी शम्भु प्रजापति सहित अन्य लोग दो वाहन से सुनील, शोभा, संतोष, तेतरी देवी, निधा, विनोद और संदीप प्रजापति के घर पहुंचे। घर के लोगों ने सभी का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। बताया जा रहा है कि शम्भू प्रजापति के सहित अन्य लोग घर की एक महिला सदस्य को साथ ले जाने की बात कही तो दोनों पक्ष में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि शम्भू सहित अन्य लोग वाहनों से फावड़ा, लोहे की रॉड और लाठियां निकालकर पीड़ितों पर हमला कर दिया। इस हमले में अशरफी नामक युवक के सिर पर फावड़े से गंभीर वार किया गया, जिससे उसका सिर फट गया। वहीं मनोज नामक युवक पर भी फावड़े से प्रहार कर बुरी तरह घायल कर दिया गया। अन्य सदस्यों के साथ भी लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की गई। हमलावरों ने मारपीट के दौरान जान से मारने की धमकी दी और सभी फरार हो गए। इधर जब पीड़ित परिवार के लोग थाने रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे तो मारपीट करने वालों ने उनके विरूद्ध अपराध दर्ज करवा दी। पीड़ित पक्ष के लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ.ग.)
रा.प्र.क्र....... /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सांची तायल पिता सुभाष लाल अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) खसरा नंबर 2395/5 रकबा 0.040 हे. भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, ले-आउट, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, राजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 01/05/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/4 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. /अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक संतोष वैद्य आ.स्व. श्री सुरेश वैद्य, आयु 55 वर्ष, निवासी जोड़ापीपल केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के पिता श्री सुरेश वैद्य के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर केदारपुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 135/3 रकबा 0.04 3/4 एकड़ भूमि स्थित है। आवेदक के पिता/भूधारक सुरेश वैद्य की मृत्यु दिनांक 19.08.2019 को हो गई है। अतः भूधारक के फौत हो जाने उपरांत फौति नामांतरण के आधार पर आवेदक द्वारा स्वयं को मृतक भूधारक के उत्तराधिकारी बताते हुये उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से अपने पिता का नाम विलोपित कराते हुये स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु मृतक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/05/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/04/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

गुप्त रोग का 100% शर्तिया ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन, सिपलिस गनौरिया सभी प्रकार के गुप्त रोगों की आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया ईलाज किया जाता है।
लिंग वर्धक यंत्र भी उपलब्ध
बिना आपरेशन के अण्डकोष, बवासीर, भगंदर का गारंटी के साथ आयुर्वेदिक दवा द्वारा ईलाज
25 साल से स्थायी
संपर्क - विश्वास औषधालय
बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर शास.स्कूल के पास अम्बिकापुर- मोबा. 7898942870
समय- सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

सरगुजा मार्केट

TOP IN SURGUJA
डॉ. तुषार जैन — श्वांस, एलर्जी, छाती, निद्रा एवं टी.बी. रोग विशेषज्ञ
डॉ. कल्पना दाश — M.B.B.S, M.D., DM (ENDO)
डॉ. दीपक अग्रवाल — हड्डी रोग विशेषज्ञ
दिनांक - 13 अप्रैल 2025 दिन - रविवार, सुबह 11 बजे से 3
दिनांक - 11 अप्रैल 2025
निशांत मेडिकोज देवीगंज रोड अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)
पंजीयन हेतु फोन नं. 73542 60555

डॉ. हर्षप्रीत सिंह टुटेजा — जनरल मेडिसिन एवं एंडोक्रिनोलॉजिस्ट
24x7 इमरजेंसी सेवा भर्ती, एवं आई.सी.यू. ऑपरेशन
SRS HOSPITAL — न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के सामने, अंबिकापुर
+919617605000, +917049985558

गायत्री हॉस्पिटल — MULTISPECIALTY HOSPITAL
बनारस रोड, पी.जी. कॉलेज मैदान के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
9424250281 | 8120906000 | 8120809000
डॉ. प्रज्ञा ओझा
स्त्री रोग से संबंधित सभी समस्याएं व उपचार

HEALTH TOWN
अहलूवालिया हॉस्पिटल
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S, DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
Dental & Consmetic Treatments

मूत्र रोग विशेषज्ञ — डॉ.राहुल कपूर (Laparoscopy Urosurgeon)
दिनांक 23 अप्रैल 2025 दिन - बुधवार
(O.P.D.) 8225888500
डॉ फिरदौसी हॉस्पिटल — MULTI SPECIALTY SURGICAL HOSPITAL
खरसिया नाका अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा

लेजर मशीन द्वारा
लेजर के फायदे
डॉ. फिरदौसी हॉस्पिटल
मो.- 7869900888 (O.P.D.), 8225888500 (Hospital), 7240802000

UNIQUE CONVENT HIGHER SECONDARY SCHOOL
Nursery to K.G & Class 1st to 12th
ADMISSION OPEN
Chandani Chowk, Khairbar Road Ambikapur (C.G.), Mo. 8223020720, 6263495007

सरगुजा के सर्वप्रथम स्पाईन एवं ब्रेन विशेषज्ञ
डॉ.अमित मुखर्जी — M.S.Mch Neuro Mumbai
27 अप्रैल 2025, दिन - रविवार
विद्या डायग्नोस्टिक — 7587722555

डॉ. ए.एफ. दानिश
रविवार, 27 अप्रैल 2025
प्लास्टिक सर्जरी
डॉ. फिरदौसी हॉस्पिटल

प्रकाश हॉस्पिटल — सर्जिकल विभाग
LAPAROSCOPY (लेप्रोस्कोपिक पद्धति) द्वारा ईलाज
लैप्रोस्कोपिक सर्जन
9713667433, 9617247433

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर) माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
डॉ. अमित जैन — MS, MCH (Neurosurgery) Brain and Spine Surgeon
डॉ. गौरी शंकर सिंह — MD, (Psychiatry) BHU MBBS (AFMC)
डॉ. रितेश रंजन — MBBS, MS MCH (Mumbai) Neonatal & Pediatric Surgeon
डॉ. सिद्धार्थ कुमार — MBBS, MD (Ortho) DNB (Ortho)
डॉ. करण सराफ — M.D. (MEDICINE), DM (Nephrology)
1.5 Tesla MRI — All Diagnostic Facilities
डॉक्टर्स हाऊस @ सरगुजा
20 अप्रैल 2025 प्रत्येक माह के तीसरे रविवार
डॉ. सुशांत — MBBS, MD (General Medicine) DNB Neurology
07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799, 8718003300, 6262639090

ॐ जय माँ कंकाली ॐ
राजयोग- धनयोग, विवाह, संतान, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद, व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष संबंधी प्रश्नोत्तर
चुनाव में विजय श्री हेतु संपर्क करें
डॉ.जे.पी. दुबे (पुष्पेन्द्र)
रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर समयनुसार मिलें
मो.9630231500, 9630995600
पता - कार्मेल स्कूल गेट नम्बर 4 बसुंधरा सनसिटी गेट के बाजू राजनिवास अपार्टमेंट अम्बिकापुर (छ.ग.)
नोट स्वामी जी प्रत्येक दिन अम्बिकापुर में उपलब्ध रहेंगे!!

तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि

सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

4 डेढ़ महीने में 4818 बार जले सरगुजा के जंगल, झुलसा हजारों एकड़ वनक्षेत्र

बरगीडीह में 8 घंटे प्रसव पीड़ा से तड़पती रही महिला, मृत पैदा हुआ बच्चा

सरगुजा में लचर हुई स्वास्थ्य व्यवस्था, समय पर उपचार नहीं मिलने से 2 नवजातों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा में स्वास्थ्य सुविधाओं बुरा हाल हो चुका है। आलम यह है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को एक नर्स के भरोसे छोड़ दिया जा रहा है और डॉक्टर नदारत रह रहे है तो कहीं लोगों को रिफर करने के बाद भी एम्बुलेंस भी नहीं मिल पा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में भारी लापरवाही के दो मामले सरगुजा में सामने आए है। एक तरफ अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही और गैर मौजूदगी के कारण महिला को मृत बच्चा पैदा हुआ तो वहीं दूसरी ओर बीती रात पुनः समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण उपचार के अभाव में नवजात की मौत हो गई। इन दो घटनाओं के बाद मृत नवजात के परिजन सदमे में है और अब उन्होंने मामले में जांच व कार्रवाई की मांग की है। इधर मामले को संज्ञान में लेते हुए संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सभी को नोटिस जारी कर जांच व कार्रवाई के निर्देश सीएमएचओ को दिए है।

खास बात

- उदयपुर में तीन घंटे एक होता रहा एम्बुलेंस का इंतजार, नवजात ने तोडा दम

बताया जा रहा है उदयपुर विकासखंड के ग्राम मिर्गाडांड निवासी संरक्षित पंडो जनजाति की गर्भवती महिला 26 वर्षीया दुर्गा पति तुलेश्वर गर्भवती थी। यह महिला का चौथा बच्चा था। 16 अप्रैल की दोपहर महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो परिजन ने गांव की मितानिन को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची मितानिन मानकुंवर ने महिला की स्थिति को देखते हुए महतारी एम्बुलेन्स 102 को फोन कर मामले की सूचना दी। सूचना मिलने के लगभग 20 मिनट के बाद एम्बुलेंस घर तक पहुंच गई थी लेकिन इससे पहले ही महिला का सामान्य प्रसव हो गया। प्रसव के बाद मितानिन और परिजन प्रसूता और नवजात को 102 एम्बुलेस से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर पहुंचे जहां नवजात का नाभी नाल काटने के के साथ ही उसका वजन किया गया। बच्चा पूर्ण रूप से स्वास्थ्य था और उसका वजन ढाई किलोग्राम था। कुछ समय तक तो नवजात सामान्य था लेकिन अचानक उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उसका शरीर ठंडा पड़ने लगा ऐसे में मितानिन ने मामले की जानकारी ड्यूटी डॉक्टर और नर्स को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे डॉक्टर ने जांच उपरान्त नवजात की स्थिति गंभीर होने की बात कही और बच्चे को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया गया।

उदयपुर में मृत नवजात के साथ पिता।

मौत के दो घंटे बाद आया फोन

परिजन का कहना है कि बच्चे को दोपहर में 3 बजे रिफर किया गया था इसके बाद 108 एम्बुलेंस को फोन कर मामले की जानकारी दी गई थी लेकिन लगातार संपर्क करने के बाद भी एम्बुलेंस अस्पताल नहीं पहुंची। इस दौरान लगभग तीन घंटे तक परिजन एम्बुलेंस का इंतजार करते रहे और समय पर उपचार नहीं मिलने कारण शाम 6 बजे नवजात की मौत हो गई। नवजात की मौत के बाद रात लगभग 8 बजे एम्बुलेंस कर्मियों का फोन आया कि वे रवाना हो रहे है और बच्चे को लेकर तैयार रहे जिसपर ग्रामीण परिजन के कहा कि हमारा बच्चा चला गया अब आकर क्या होगा। बच्चे की मौत के बाद रात लगभग 11 बजे परिजन मां और मृत नवजात को लेकर अपने गांव रवाना हो गए।

अस्पताल प्रबंधन के साथ ही एम्बुलेंस कर्मियों की लापरवाही

इस पूरे मामले में अस्पताल प्रबंधन के साथ ही एम्बुलेंस कर्मियों की लापरवाही सामने आई है। बड़ी बात तो यह है कि नवजात की हालत गंभीर होने के बाद चिकित्सक और नर्स ने बच्चे को रिफर कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली लेकिन यह नहीं सुनिश्चित किया गया कि समय पर बच्चे को एम्बुलेंस मिल सके ताकि उपचार सुविधा मिल जाए। इसके साथ ही इस पूरे मामले में एंबुलेंस कर्मियों की लापरवाही भी सामने आई है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब समय पर एम्बुलेंस नहीं मिलने के कारण किसी की मौत हुई हो लेकिन निजी कम्पनी पर लोगों की मौत के बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो पाती है। निजी कंपनी के एम्बुलेंस पर अस्पताल प्रबंधन का भी कोई नियंत्रण नहीं होता है इस लिए इनकी मनमानी भी चरम पर है।

नर्स के भरोसे अस्पताल, जन्मा मृत बच्चा

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। इस मामले में एक नर्स के भरोसे ही पूरे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को छोड़ दिया गया। इस दौरान प्रसूता दर्द से तडपती रही। ना ही कोई चिकित्सक पहुंचा और ना ही प्रसूता को सही उपचार मिला जिसके बाद महिला ने एक मृत बच्चे को जन्म दिया।

बताया जा रहा है कि लुंड्रा विकासखंड के ग्राम बरगीडीह निवासी ज्योति पति मुनेश्वर सोनवानी को प्रसव पीड़ा होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरगीडीह में भर्ती कराया गया था। परिजन प्रसूता को लेकर दोपहर 2 बजे अस्पताल पहुंचे थे लेकिन अस्पताल में सिर्फ एक नर्स के अलावा कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं था। बड़ी बात यह है कि अस्पताल में तीन चिकित्सक और चार नर्स की ड्यूटी लगी हुई है। परिजन का आरोप है कि जब नर्स ने ड्यूटी डॉक्टर को फोन कर प्रसव केस की जानकारी दी तो उसने अस्पताल आने से मना कर दिया और प्रसव कराने का जिम्मा नर्स को दे दिया। इस दौरान दिनभर परिजन प्रसूता को लेकर अस्पताल में पड़े रहे। रात लगभग 8 बजे प्रसूता को प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो उसे लेबर कक्ष में ले जाया गया जहां नर्स डेढ़ घंटे तक प्रसूता दर्द से तडपती रही। प्रसव में दिक्कत पर नर्स ने ज्योती सोनवानी को इंजेक्शन लगाने के साथ ही एक टेबलेट खाने को दिया। इसके बाद उसकी हालत और बिगड़ गई। प्रसूता को लेकर गई परिजन उर्मिला सोनवानी ने नर्स से कहा भी कि उसका छोटा ऑपरेशन कर दे लेकिन नर्स ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह ऑपरेशन नहीं कर सकती है। इस दौरान रात लगभग 10 बजे महिला का प्रसव हुआ लेकिन प्रसूता ने एक मृत बच्चे को जन्म दिया। इस घटना के बाद नवजात के माता-पिता सदमें में है जबकि परिजन ने इस घटना को लेकर जमकर नाराजगी जाहिर की है। परिजन उर्मिला सोनवानी के इस घटना की शिकायत कलेक्टर से करते हुए मामले में दोषियों के खिलाफ जांच व कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

बीएमओ का वीडियो वायरल

लुंड्रा विकासखंड में बरगीडीह अस्पताल में लापरवाही का यह कोई पहला मामला नहीं है। इस अस्पताल में लगातार एक नर्स के भरोसे अस्पताल संचालित होने की शिकायतें मिलती रहती है। इसके पूर्व भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके है। अक्सर सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को उपचार नहीं मिल पाता और ड्यूटी डॉक्टर, नर्स अस्पताल आने के बजाए निजी संस्थान में ड्यूटी करते है। वहीं अब मामले में लुंड्रा बीएमओ का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वे कहते नजर आ रहे है कि वे बीएमओ अपनी मर्जी से नहीं बने है और ना ही उन्हें मेडिकल लाइन से कोई मतलब है। अब इस वीडियो के वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली ही सवालों के घेरे में आ गई है।

होगी कड़ी कार्रवाई

जनहित से जुड़े किसी भी मामले में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उदयपुर के मामले में ड्यूटी नर्स को नोटिस जारी करने के साथ ही इन्क्रीमेंट रोकने का निर्देश सीएमएचओ को दिया गया है। इसके साथ ही बरगीडीह क्षेत्र से भी लगातार शिकायतें मिल रही थी। सभी मामलों में तीन दिनों के भीतर नोटिस का जवाब मांगने के साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीएमओ के वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है।

-डॉ. अनिल शुक्ला, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं

खबर संक्षेप

सुशासन तिहार-2025 के दौरान अवकाश प्रतिबंधित

अंबिकापुर। सुशासन तिहार-2025 के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर ने आदेश जारी कर 31 मई 2025 तक जिले में पदस्थ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर पूर्णतः प्रतिबंध घोषित किया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल ने इस सम्बन्ध में सर्व विभाग प्रमुखों को पत्र जारी किया है। जिसके अनुसार विशेष परिस्थितियों में अवकाश की आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय प्रमुख, विभाग प्रमुख, प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी के अधिकारियो एवं कर्मचारियों के अवकाश की स्वीकृति या अनुमति हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा को अधिकृत किया गया है। अवकाश स्वीकृति कलेक्टर सरगुजा के अनुमोदन उपरांत किया जाएगा। वहीं तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश स्वीकृति या अनुमति हेतु संबंधित विभागीय प्रमुख को अधिकृत किया गया है।

राशन घोटाला मामले में पूर्व सरपंच व पति गिरफ्तार

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर अंतर्गत ग्राम बेबदी शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशन हेराफेरी के मामले में गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। सहायक विक्रेता और तौलक के बाद अब पुलिस ने पूर्व सरपंच और उसके पति को गिरफ्तार किया है जबकि जनपद उपाध्यक्ष की पत्नी अभी भी फरार बताई जा रही है। बता दें कि बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत ग्राम बेबदी में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान में 144 हितग्राहियों का अंगूठा लगवाकर चावल गबन का मामला सामने आया था। आरोपियों ने फर्जी तरीके से 1 लाख 76 हजार रूपए का 44 क्विंटल चावल पार कर दिया था। इस मामले में पुलिस द्वारा खाद्य निरीक्षक निखिलेश टेम्भुरने की शिकायत के बाद जनपद उपाध्यक्ष की पत्नी और सचिव सचिव श्रीमती सीमा जायसवाल, पूर्व सरपंच श्रीमती जागमति, सहायक विक्रेता संतोष कुमार, पूर्व सरपंच के पति जीतलाल एवं तौलक कन्हैया लाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 316 (5), 318(4) 61(2) एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3, 7 के तहत अपराध दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस द्वारा सहायक विक्रेता संतोष कुमार पंडो व तौलक कन्हैया लाल को गिरफ्तार किया था। वहीं अब पुलिस ने मामले में आरोपी पूर्व सरपंच बेबदी निवासी जागमती पण्डो पति जीतलाल पण्डो व सरपंच पति ईत्लाल पंडो आ. स्व. बेसाहू पंडो को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस सचिव की तलाश कर रही है।

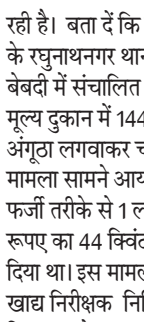

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ग्रामीण की मौत

अम्बिकापुर। रामानुजगंज अस्पताल से रेफर एक मरीज की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। मृतक के साथ किसी के नहीं होने से पहचान नहीं हो सकी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पुलिस कर्मियों के मुताबिक लगभग 40 वर्षीय ग्रामीण को जो गोदरवाना से रामानुजगंज के अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। ग्रामीण के स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उसे 15 अप्रैल को बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया जहां आज सुबह ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए मरच्यूरी कक्ष में रखवा दिया है।

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

अंबिकापुर। चरित्र शंका के आधार पर पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से घटना में प्रयुक्त टांगी को जब्त कर लिया है। बता दें कि मैनपाट के नर्मदापुर खालपारा निवासी खेलसाय खोखसा ने 16 अप्रैल को अपनी पत्नी मुड़ई बाई की टांगी से गला काटकर उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा लाश को पीएम हेतु भेजने के साथ ही आरोपी को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान आरोपी खालपारा निवाई 35 वर्षीय खेलसाय खोखसा आ. मनी राम ने बताया कि वह अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका करता था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। घटना दिवस को भी विवाद के दौरान उसने पत्नी मुड़ई बाई की टांगी से मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी से घटना में प्रयुक्त टांगी को जब्त करने के साथ ही उसे बीएनएस की धारा 103(1) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर भरतलाल साहू, सउनि डेविड मिंज, प्रधान आरक्षक राम प्रसाद निकुंज, अखिलेश्वर भगत, महिला प्रधान आरक्षक ब्रिजिट सुषमा तिग्गा, आरक्षक अर्जुन पैकरा, धनेश्वर पैकरा, जेवियर बरवा, उमेश्वर राजवाडे, लुकन साय कुजूर, रविन्द्र निकुंज, सूरज राठिया अमित मिंज सक्रिय रहे।

प्रशासन व निगम की संयुक्त टीम ने हटाया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

शहर के बीच नेहरूवार्ड न्यायालय के पीछे आज उस समय हड़कंप मच गया जब जिला प्रशासन व नगर निगम की संयुक्त टीम ने एक घर को जेसीबी से ढहा दिया। मकान मालिक का आरोप है कि सुबह बगैर नोटिस दिए ही मकान को गिरा दिया गया और घर में रखे सामान तक को बाहर निकालने का मौका नहीं दिया। बगैर नोटिस दिए अतिक्रमण हटाने पर लोगों में काफी आक्रोश है।

- मकान मालिक ने लगाया बगैर नोटिस दिए मकान तोड़ने का आरोप

शहर के नेहरू वार्ड न्यायालय के समीप निवासी अर्चना ने बताई की उसके परिवार के लोग लगभग 50-60 से घर बनाकर रह रहे है। आज सुबह उस समय जिला प्रशासन व निगम की संयुक्त टीम जेसीबी लेकर पहुंचे जब घर में कोई पुरुष नहीं था और सीधे घर को जेसीबी से ढहा दिया गया। यहां तक की घर में रखे सामान को भी बाहर निकालने का समय नहीं दिया। जब अधिकारियों से पूछताछ की तो अधिकारियों ने नोटिस मिल जान की बात कही। साथ ही जमीन गैस प्लांट के लिए आरक्षित होने की बात कही। इधर अचानक हुई कार्रवाई से परिवार के लोग रोते बिलखते रहे। इधर घटना की जानकारी लगने पर नगर निगम सभापति हरविंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि जितना कार्रवाई हुआ है वहां तक रोक दिया गया है। पीड़ित परिवार के मुताबिक बगैर नोटिस की कार्रवाई हुई है तो जांच कराई जाएगी। गैस प्लांट के लिए भूमि आरक्षित है तो जांच होगी।

हटाए गए अतिक्रमण।

पश्चिम बंगाल और यूपी के छह संदिग्धों को पुलिस ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

बलरामपुर जिले में पुलिस ने कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अनधिकृत रूप से रहने वाले लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिले की कुसमी पुलिस ने 6 संदेहियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े संदेहियों में 5 पश्चिम बंगाल और 1 यूपी का निवासी है।

बता दें कि एसपी वैभव बैंकर द्वारा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों अवैध मुसाफिरों व अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में एसपी के निर्देश पर एएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी, एसडीओपी ईम्मानुएल लकड़ा के नेतृत्व में कुसमी थाना प्रभारी ललित यादव अभियान चलाकर संदिग्ध-अनाधिकृत प्रवासी, अराजक तत्वों की गहन जांच की गई। इस दौरान टीम ने पहचान पत्र, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया। चेकिंग के दौरान 6 संदिग्ध व्यक्तियों को जब्त विभिन्न स्थानों से पकड़कर पूछताछ की गई तो वे गोल मोल जवाब दे रहे थे। ऐसे में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में पश्चिम बंगाल के बकुड़ा पुनीसोल निवासी 32 वर्षीय मंजरुल खान आ. दाउद खान, 24 वर्षीय माहिदुल अली मोलीक आ. अफ्तर अली मलिक, 30 वर्षीय गोलाम खाजा खान आ. अकबर अली, 25 वर्षीय अबू सत्तार मलिक आ. जमाल मलिक, 35 वर्षीय सकुर अली खान आ. न्यासुद्दीन खान व यूपी हरदोई के मंदर निवासी 26 वर्षीय हारूप आ. पहचनद अली को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 128 के तहत गिरफ्तार किया है।

चालीसा उपवास के अंतिम सप्ताह हुई विशेष प्रार्थना

मसीही समाज ने भक्तिभाव से मनाया पुण्य गुरुवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

मसीही समाज द्वारा पुण्य गुरुवार का विशेष दिन भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस दौरान महागिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

बता दें कि मसीही समाज चालीस दिनों के उपवास व परहेज की अवधि के अंतिम सप्ताह में पुण्य गुरुवार की भक्ति आराधना में लीन है। पुण्य गुरुवार के अवसर पर विविध धार्मिक अनुष्ठान शाम 5 बजे से नवापारा स्थित बेदाग ईश माता महागिरजा घर मे परंपरागत रूप से सम्पन्न हुए। सांध्यकालीन कार्यक्रम के समस्त धार्मिक अनुष्ठान धर्म प्रान्त के धर्माध्यक्ष बिशप अंतोनी बड़ा व पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर की अगुवाई में कराए गए। इस अवसर पर समुदाय को सम्बोधित करते हुए बिशप ने कहा कि येसु ने अपने चेलों के पैर धोकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि सच्चा जीवन विनम्रता सेवा और प्रेम में निहित है। यह ऐसा सबक है जो हमें जीवन के दैनिक दिनचर्या के व्यवहार व कार्यों के दौरान अपने व अजनबियों के बीच भी दिखना चाहिए। पुण्य गुरुवार के दिन ही ईसा मसीह ने संध्या भोज के पूर्व अपने 12 चेलों के पैर धुलाकर उन्हें अपना तन व रक्त समर्पित किया जो परम प्रसाद के रूप में मसीही ग्रहण करते हैं। आज के दिन जिन 12 चेलों के पैर येसु मसीह ने धुलवाए वो ही प्रथम पुरोहित बने व आज के दिन से ही पुरोहिताई संस्कार की स्थापना भी हुई। आज ही रात येसु के एक चेले ने धोखे से उन्हें राजा पिलातुयूस के सिपाही के हवाले कर देता है और और यहीं से येसु का दुख भोग प्रारंम्भ हो जाता है। उन्ही पलों को याद कर मसीही समाज आराधना मे डूबे हुए हैं। आस्था के मुताबिक बिशप ने भी 12 चेलों के पैर धुलाये। इस दौरान बाइबिल के पाठ का वाचन मरियानुस एक्का व विनीता एक्का के द्वारा किया गया। पवित्र सक्रमेन्ट का जुलूस कार्यक्रम अनूप टोप्पो, अनूप किस्पोट्टा, अनिमेष एक्का, अनीस केरकट्टा ने पूरा किया इसके बाद रात्रि 8 बजे से इन कार्यक्रमों के बाद आराधना प्रारम्भ हुई। इसमे सभी पारा टोला व संस्थानों के द्वारा पारी पारी से अपनी प्रस्तुति दी। बीच बीच मे भक्तिमय गीतों की मनमोहक प्रस्तुति गोधानपुर के युवक युवतियों की टीम ने भक्तों के बीच माहौल को दुखभोगमय बना रही थी। इस अवसर इस अवसर पर बड़ी संख्या में फादर विलियम समेत फादर, सिस्टर्स व बड़ी संख्या में समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

कीटनाशक पीने से गंभीर दो युवकों की गई जान

अम्बिकापुर। कीटनाशक पीने की अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक की निजी अस्पताला में तो दूसरे युवक ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तोड़ा दम। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार नारायणपुर थाना अंतर्गत ग्राम ढोवारी पूटा निवासी अनुराग खलखो आ. अमूल्य खलखो (30 वर्ष) 4 अप्रैल को अज्ञात कारण से घर में रखे कीटनाशक को पी लिया। घटना की जानकारी लगने पर परिजन उसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां बुधवार की दोपहर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसी प्रकार दूसरी घटना में गांधीनगर फुदुलडिहारी महुआ पारा निवासी सागर मंडल आ. स्व. नीलकंठ मंडल (27 वर्ष) 12 अप्रैल की सुबह घर में सोया था। काफी देर बाद जब नहीं उठा तो मां शोभा मंडल भोजन करने के लिए उठाने लगी जिस पर सागर ने मुंह में छाला होने से भोजन करने से इनकार कर दिया। परिजन युवक की तबीयत बिगड़ जाने पर संजीवनी 108 से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। जांच उपरांत चिकित्सकों ने युवक के कीटनाशक पीने की बात परिजन को बताई। इसी बीच गत दिन युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

खबर संक्षेप

महापौर ने की डिप्टी सीएम अरूण से मुलाकात

अंबिकापुर। नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने रायपुर में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्री अरुण साव से मुलाकात की। मेयर श्रीमती भगत ने डिप्टी सीएम से मुलाकात के दौरान शहर के विकास को लेकर बनाई गई कार्य योजनाओं को लेकर चर्चा की। मेयर ने डिप्टी सीएम के समक्ष विशेष रूप से नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के कर्मचारियों की कई वर्षों से लंबित कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और पार्षदों को विगत 2 वर्षों से अधिक समय से अप्राप्त मानदेय प्रदान करने की मांग रखी। इसके साथ ही शहर के विकास हेतु पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव समेत विभिन्न कार्य योजनाओं को लेकर चर्चा की।

सैनिक स्कूल में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन

अम्बिकापुर। सैनिक स्कूल में अंतर्सदन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 8 अप्रैल से 15 अप्रैल के मध्य किया गया। कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में विभाजित प्रतियोगिता रॉबिन लीग के आधार पर खेली गयी। वरिष्ठ वर्ग में 10वीं, 11वीं एवं 12वीं तथा कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 7वीं, 8वीं तथा 9वीं के कैडेटों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के कैडेटों के बीच कुल 12-12 मैच खेले गए कनिष्ठ वर्ग में विजयंता एवं अरिहंत तथा वरिष्ठ वर्ग में कटारी एवं अर्जन सिंह सदन फाइनल में पहुंचे। फाइनल मैच में विजयंत सदन ने अपने प्रतिद्वंदी अरिहंत सदन को 3-2 से हराकर प्रथम स्थान वहीं वरिष्ठ वर्ग से कटारी सदन ने अपने प्रतिद्वंदी अर्जन सिंह को 2-0 से परास्त कर स्पर्धा की ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर जेम्स नायर ने विजेता एवं उपविजेता टीम के कैडेटों को पदक, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका खेल प्रशिक्षक सीएचएस निर्मल टोप्पो तथा महिला खेल प्रशिक्षक चित्रलेखा ने निभाई।

मोंटफोर्ट स्कूल में मनाया गया ग्रेजुएशन डे

अंबिकापुर। नगर के मोंटफोर्ट स्कूल में 16 अप्रैल को यूकेजी ग्रेजुएशन डे समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन नन्हे छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जहाँ उन्होंने नर्सरी की शिक्षा पूर्ण कर प्राथमिक कक्षा में प्रवेश करने की ओर पहला कदम बढ़ाया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड क्रमांक 5 गोधनपूर्व के पार्षद डॉ. शिवमंगल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य ब्रदर पंकज अवया, बदर जॉन मिनज, विभिन्न वर्गों के कोऑर्डिनेटर तथा बच्चों के अभिभावकगण भी मौजूद थे। छात्रों को मंच पर सम्मान पूर्वक ग्रेजुएशन प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जो उनके अब तक के शिक्षा-सफर की उपलब्धियों का प्रतीक रही। छोटे-छोटे स्नातक जब अपने परिधानों में मंच पर आए, तो उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और खुशी झलक रही थी। मुख्य अतिथि डॉ. शिवमंगल सिंह ने विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों से बच्चों को सुसंस्कारित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने विद्यालय के समर्पण और उत्साही शैक्षणिक वातावरण की सराहना की। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य, अभिभावक के साथ ही जफर खान, गुरु चरण सिंह आदि मौजूद थे।

टाइगर रिजर्व एवं अभयारण्य भी नहीं है सुरक्षित

डेढ़ महीने में 4818 बार जले सरगुजा के जंगल, झुलसा हजारों एकड़ वनक्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

गर्मी के डेढ़ महीनों में इस बार जंगलों के जलने की 4818 घटनाएं हुई हैं। जंगल में आग लगने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि होने के पीछे महुआ संग्रहण करने वाले ग्रामीणों को कारण बताया जा रहा है जो महुआ बीनने के लिए के लिए पेड़ के नीचे की जगह साफ करने के लिए सूखे पत्तों में आग लगा देते है। वनों के सुरक्षा की जिम्मेदारी वन अमले की है लेकिन कोई भी जंगल जलने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

खास बात

- तत्काल सेटेलाइट सूचना मिलने के बाद भी नियंत्रण में विभाग नाकाम

वन एवं पर्यावरण विभाग हर साल वनों को आग से बचाने की तैयारियां करता है। इसके लिए विभाग कार्यशालाएं आयोजित कर वनकर्मियों एवं वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण देता है साथ ही बीट स्तर पर दो-दो फायर वाचर की नियुक्ति करता है। विभाग फरवरी से जून तक के समय को फायर सीजन मानता है लेकिन मध्य मार्च के बाद ही जंगल जलने की घटनाएं होती है। क्षेत्र के ग्रामीण महुआ संग्रहण करने तड़के परिवार के सदस्यों के साथ जंगल पहुंच जाते हैं तथा पेड़ के नीचे गिरे सूखे पत्तों में आग लगा देते हैं जो जंगल में फैल जाता है। इस सीजन में हर साल जंगल जलने की घटनाएं होती हैं लेकिन हर साल अग्नि सुरक्षा के नाम पर भारी-भरकम खर्च करने के बावजूद विभाग इसका स्थाई हल नहीं निकाल सका है। सही बात तो यह है कि विभाग अभी तक क्षेत्र के ग्रामीणों में यह भावना नहीं विकसित कर सका है कि जंगल उनका है तथा इसके सुरक्षा की भी जिम्मेदारी उन्हीं की है। सरगुजा में वनभूमि पर अतिक्रमण करने एवं वन्यजीवों के शिकार के लिए भी जंगल में आग लगाने का मामला सामने आ चुका है। इसके पूर्व वर्ष 2023 में जंगल जलने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई थी। विभाग की सख्ती पर पिछले साल वरिष्ठ वन अधिकारी काफी सजग रहे तथा नियमित आग लगने की घटनाओं की समीक्षा करने के साथ स्वयं भी वन क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेते रहे। इसका नतीजा हुआ कि जंगल जलने की घटनाएं आधी हो गई। इस बार जंगल जलने की घटनाओं को रोकने की दिशा में वरिष्ठ अधिकारी शांत पड़े रहे जिसके कारण इस बार जंगल जलने की रिकॉर्ड घटनाएं हुई। अभी न तो गर्मी खत्म हुई है न ही महुआ सीजन खत्म हुआ है। ऐसे में भविष्य में भी जंगल जलने से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस बार मार्च से अब तक विक्षोभ के प्रभाव से ओले गिरने एवं बेमौसम बारिश होने की पांच घटनाएं हो चुकी है। मौसम के अनुकूल रहने के बावजूद जंगल जलने की घटनाएं चिंता का विषय है। जंगल में आग लगने की घटनाएं देखे तो पिछले तीन सालों में इस बार जंगल जलने की सर्वाधिक घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2023 में सरगुजा वनवृत्त में जंगल जलने की 4675 घटनाएं वहीं वर्ष 2004 में 2562 जबकि इस वर्ष 4818 घटनाएं हो चुकी है।

आग से जलता टाइगर रिजर्व का जंगल।

टाइगर रिजर्व में सर्वाधिक घटनाएं

मानवीय दखल के मामले में सबसे सुरक्षित टाइगर रिजर्व एवं अभ्यारण्यों को माना जाता है लेकिन हैरानी वाली बात है कि इस बार गुरू घासीदास नेशनल पार्क में जंगल जलने की सर्वाधिक 929 घटनाएं हुई है। कई घटनाएं ऐसी भी हुई है जिसमें 20 दिनों तक जंगल जलते रहे तथा अपनी जान बचाने के लिए हिंसक व शाकाहारी वन्य जीव इधर-उधर भटकते रहे। पिछले साल नेशनल पार्क में जंगल जलने की 313 तथा वर्ष 2024 में 522 घटनाएं हुई है। तमोर पिंगला अभ्यारण्य में इस बार जंगल जलने की 271 घटनाएं हुई जबकि पिछले साल 295 घटनाएं हुई थी। इसी तरह सेमरसोत अभ्यारण्य पिछले साल 70 जबकि इस बार 43 तथा बादलखोल में पिछले साल 12 एवं इस साल 17 घटनाएं हुई हैं। टाइगर रिजर्व एवं अभ्यारण्य क्षेत्र में तीन दर्जन से अधिक बसाहटें हैं जिनके विस्थापन की पहल 6 वर्ष पहले जोर-शोर से प्रारंभ की गई थी। विस्थापन की फाइल अब ठंडे बस्ते में बंद है। नियमों की अवहेलना एवं बसाहटों के कारण इन क्षेत्रों में जंगल जलने की घटनाएं अधिक होती है।

जंगल जलाने में बलरामपुर आगे

सरगुजा वन वृत्त अंतर्गत छह वन मंडलों में जंगल जलाने के मामले में बलरामपुर वन मंडल सबसे आगे है। इस बार बलरामपुर वन मंडल में जंगल जलने की सर्वाधिक 793 घटनाएं हुई है। वर्ष 2023 में यहां जंगल जलने की रिकॉर्ड 1111 घटनाएं हुई थी जो गत वर्ष घटकर 424 पहुंच गई थी। जंगल जलाने के मामले में इस बार दूसरे नंबर पर मनेन्द्रगढ़ वन मंडल है जहां अब तक 875 घटनाएं हुई हैं जबकि तीसरे नंबर पर कोरिया वनमंडल 704 घटनाएं, सूरजपुर वन मंडल में 629 आग लगने की घटनाएं हुई है। जशपुर वन मंडल में 381 जबकि सरगुजा वन मंडल में 153 घटनाएं हुई है। सरगुजा के कई बीट ऐसे हैं जहां जगंल जलने की 30 से अधिक घटनाएं हुई हैं। सेटेलाइट द्वारा बीटगार्ड से लेकर सीसीएफ तक आग लगने की सूचना पूरी जानकारी के साथ तत्काल उपलब्ध कराई जाती है इसके बावजूद विभाग समय पर आग बुझाने में सफल नहीं हो पाता। इस बार उदयपुर परिक्षेत्र का रामगढ़ जंगल लगभग एक महीने तक वहीं टाइगर रिजर्व का बड़ा इलाका लगातार 20 दिनों तक जलता रहा तथा वन अमला अपनी मजबूरी का रोना रोता रहा। आग से हजारों हेक्टेयर जंगल झुलस गया है।

बीटगार्ड एवं चौकीदारों के भरोसे जंगल

जंगलों की बदहाली एवं जंगलों के जलने के पीछे सबसे बड़ा कारण अधीक्षक, रेंजर व उप वन मंडल अधिकारियों का मुख्यालय में अनुपस्थित रहना है। नेशनल पार्क एवं अभ्यारण्यों के अधीक्षक अत्यंत आवश्यक होने पर ही मुख्यालय में जाते हैं अन्यथा पूरे दिन वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नीतिगत चर्चा में व्यस्त रहते हैं। वरिष्ठ अधिकारी भी अधीक्षकों के बिना अपना समय नहीं गुजार पाते। अभ्यारण्यों के गेम रेंजर भी विभिन्न कार्यों को लेकर वरिष्ठ कार्यालय में व्यस्त रहते हैं तथा शेष समय अपने घर के कार्यालय से कार्यों के निष्पादन में व्यस्त रहते है। सामान्य वन मण्डल के रेंजर तो आपात स्थिति में ही मुख्यालय जाते हैं। अधिकारियों के अनुपस्थित रहने के कारण मैदानी कर्मचारी भी खानापूर्ति करते हैं। इस तरह वनों की सुरक्षा चौकीदार एवं वनपालों पर निर्भर रहती है। एक वनपाल पर 2-3 बीट की जिम्मेदारी आग की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि होने का बड़ा कारण है। वनकर्मियों के पास आग पर काबू पाने के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध नहीं कराए गए है।

की जा रही कार्रवाई

पिछले वर्षों की तुलना में इस बार जंगल में आग लगने की घटनाएं अधिक हुई हैं। मामले में विभिन्न वन मंडल में पांच कर्मचारियों को निलंबित किया गया है वहीं आधा दर्जन से अधिक को नोटिस जारी किया गया है। आग की 30 से अधिक घटनाओं पर कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है।

-वी मातेश्वरन
सीसीएफ

पत्नी पर जानलेवा हमला कर पति ने छत से लगाई छलांग, मौत

अम्बिकापुर। शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने से नाराज पति ने पहले पत्नी पर रॉड से जानलेवा हमला किया फिर छत पर चढ़कर नीचे छलांग लगा दी। छत से नीचे कूदने से गंभीर हुए ग्रामीण की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार रघुनाथनगर निवासी भगदर आ. मनबहोरन (50 वर्ष) बुधवार की शाम गांव से शराब के नशे में धुत हो कर घर पहुंचा और पुनः शराब पीने के लिए पत्नी लक्ष्मी परासिया से पैसा मांगने लगा। जिस पर पत्नी ने पैसा देने से मना की तो भगदर गाली-गलौज करते हुए पत्नी पर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया जिससे लक्ष्मी मौके पर ही अचेत हो गई। पत्नी को मृत समझ भगदर घर के छत पर चढ़ गया और नीचे छलांग लगा दी। इधर घटना की जानकारी लगने पर परिजन मौके पर पहुंचे और महिला को किसी तरह होश में लेकर आए साथ ही छल से नीचे कूदने से गंभीर हुए भगदर को रघुनाथनगर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

पति ने पत्नी पर जानलेवा हमला कर उतारा मौत के घाट

पति-पत्नी के बीच हुए हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी के सिर पर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। परिजन महिला को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर घटना के बाद से पति फरार है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम सेमाई निवासी शांति पति बुधराम (35 वर्ष) गत दिन घर में थी इसी दौरान पति ने विवाद करना शुरू कर दिया। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने घर में रखे रॉड से पत्नी शांति के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट दौरान शांति के अचेत हो जाने पर पति मौके से फरार हो गया। इधर पुत्र सनोज पिता को घर से भागते देख घर पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। मां लहुलूहान हालत में अचेत पड़ी हुई थी। परिजन तत्काल घायल को प्रतापपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर अग्रिम कार्रवाई के लिए डायल संबंधित थाना भेजने की तैयारी में जुट गया है।

जयनगर साप्ताहिक बाजार से युवक की बाइक को चोरों ने किया पार

बिश्रामपुर। साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने आए युवक की बाइक को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पार्वतीपुर निवासी केश्वर तिग्गा पिता साखू राम पिछले दिनों 14 अप्रैल को जयनगर साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने अपनी हीरो एचएफ डीलक्स बाइक क्रमांक सीजी 15 सीजेड 2376 में आया था।यहां पर युवक के बाइक को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया है। सूचना पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 303 (2) के तहत जुर्म दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में मामा-भांजा सहित तीन लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

बाइक समेत सड़क किनारे गड्ढे में गिरने तथा घर के सामने बैठे ग्रामीण को बोलेरो से टक्कर मारने की अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक बाइक सवार घायल हो गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना अंतर्गत ग्राम नमना दमकोडका पारा निवासी बुधमान सिंह आ. सुखदेव सिंह (23 वर्ष) 14 अप्रैल को आनंदपुर निवासी मामा धनसू सिंह,रति सिंह के साथ बाइक क्रमांक सीजी 29 एएफ 9186 से तेंदू फल पहुंचाने लक्ष्मीपुर निवासी रिश्तेदार के यहां गए थे। दोपहर को तीनों वापस आनंदपुर घर लौटने लगे और जैसे ही लक्ष्मीपुर के समीप मोड़ के पास पहुंचे तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक को देख बुधमान सिंह बाइक से नियंत्रण खो बैठा जिससे तीनों सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। दुर्घटना में रति सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बुधमान गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने रति सिंह को मृत घोषित कर दिया वहीं बुधमान को सूरजपुर अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने बुधमान की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घायल धनसू सिंह को प्राथमिक उपचार के पश्चात छुट्टी दे दी। दूसरी घटना में राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम खोडरो बरियों निवासी मोहन नागेश आ. स्व. दसरू नागेश (61 वर्ष) आज सुबह 6 बजे घर के सामने सड़क किनारे मिट्टी के ढेर पर बैठा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ हरे बोलेरो के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए ग्रामीण को टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

चोरों ने आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़ पार किया सामान

रामानुजगंज। नगर के वार्ड क्रमांक 6 रिंग रोड स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़ चोरों ने बर्तन, गैस सिलेंडर चावल सहित अन्य सामान पार कर दिया। सूचना पर एएसआई शिव शरण पैकरा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। रिंग रोड में स्थित मॉ ड ल आंगनबाड़ी केंद्र बाउंड्री के अंदर स्थित है एवं इस मार्ग से 24 घंटे वाहनों का आना जाना लगा रहता है। आज सुबह 7 के आंगनबाड़ी सहायिका रीता कश्यप जब ताला खोलने आई तो देखा कि ताला टूटा और सामान बिखरा हुआ है। सहायिका ने घटना की सूचना आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीरा गुप्ता को दी। जिसके बाद महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों एवं थाने में सूचना दी गई। चोरों ने मुख्य गेट, अनाज कोठी, अलमारी एवं तीन कमरे का ताला तोड़ कमरे में रखे सामान को चोरी कर ले गए। मौके पर एएसआई शिव शरण पैकरा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच करने की बात कही। जिस प्रकार से तेजी से नगर में नशे का प्रचलन बढ़ रहा है उसे संभावना जताई जा रही है कि नशेड़ियों द्वारा घटना को अंजाम दिया गया होगा। इसके पूर्व भी कई बार नशेड़ियों द्वारा चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके है।

चोरी के 50 बोरी कोयले सहित 13 बाइक जब्त

पुलिस द्वारा जब्त कोयला व बाइक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर/सूरजपुर

एसईसीएल बिश्रामपुर के रेहर व गायत्री खदान से संगठित रूप से हो रहे कोयला चोरी के कारोबार का खुलासा को त वा ली पुलिस की औ च क दबिश के दौ रा न बुधवार को हुआ। सूरजपुर एसपी से निर्देश मिलने बाद कोतवाली पुलिस गायत्री खदान में कोयला चोरों के धरपकड़ के लिए पहुंची।

- पुलिस टीम के पहुंचने पर बाइक व कोयला बोरी छोड़ मौके से फरार हुए चोर

इस दौरान पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि गायत्री खदान से कोयला चोरी कर मोटर सायकल में परिवहन का प्रयास किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां लावारिश हालत में मोटर सायकल तथा जमीन में कोयला से भरी बोरी पाये जाने पर 50 बोरी कोयला तथा 13 नग मोटर सायकल जप्त कर धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गई।मौके से जप्त मोटर सायकलों के वाहन स्वामी की पतासाजी की जा रही है ताकि उनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जा सके।इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विमलेश दुबे व उनकी टीम सक्रिय रही।गौरतलब है कि इन दिनों जिले में कोयला तस्करी का कार्य काफ़ी फलफुल रहा है।

रेहर, गायत्री खदान से संगठित कोयला चोर गिरोह द्वारा ग्रामीणों को आगे कर बड़े पैमाने में कोयला चोरी कराते हैं एवं उक्त चोरी के कोयला को ईंट भट्ठे में खपाने के साथ दूसरे जिले व प्रांत में तस्करी की जा रही है।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया
पण्डित काम्पलेक्स अम्बिकापुर मो. 9826154736

ग्रामीणों के खाते किराए में लेकर ठगी की रकम खपाने वाले म्यूल खाताधारक सहित तीन आरोपी पकड़े गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

दो दिनों पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय सूरजपुर से बिश्रामपुर पुलिस को म्यूल एकाउंट से संबंधित अपराध पंजीबद्ध करने हेतु जांच प्रतिवेदन मय दस्तावेज प्राप्त हुआ जिस पर धारा 413, 420,120 (बी) आईपीसी एवं बी एन एस की धारा 317 (4), 318(2), 61(2) (ए) का अपराध घटित होना पायें जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस मामले की जांच शुरू की।

अपराध विवेचना दौरान म्यूल खाता धारक व आरोपी चन्द्र देव पैकरा से पूछताछ करने पर बताया गया कि उसका एक्सीस बैंक में खाता है जिसे वह अपने साथी कमलेश्वर सिंह के कहने पर खोलकर तीन सौ रूपए प्रतिमाह के दर पर किराया पर दिया, इसके एवज में खाताधारक चंद्र पैकरा को साथी कमलेश्वर से कुल 15 सौ रूपये प्राप्त हुआ।चन्द्रदेव पैकरा के साथी कमलेश्वर सिंह से पूछताछ करने पर बताया कि उसने चन्द्र देव पैकरा का खाता खुलवाकर उसका खाता एवं

अपने एक अन्य पड़ोसी रूपन पैकरा सहित स्वयं का भी 8 बैंकों का खाता को किराया पर दिया तथा प्रत्येक चालू खाता के बदले दो हजार रूपए प्रतिमाह एवं बचत खाता के बदले एक हजार प्रतिमाह अपने अन्य ऊपर के साथी से प्राप्त कर किराया के खाता को ऑन लाईन ठगी किये पैसा ट्रान्सफर करने के लिए उपलब्ध कराता था।घटना में प्रयुक्त म्यूल एकाउण्ट से संबंधित पासबुक, एटीएम व चेकबुक को पुलिस ने जप्त किया है। आरोपियों द्वारा अपराध घटित करना पाए जाने पर तीनों आरोपी कर्मशः चंद्रदेव पैकरा पिता लालबरन पैकरा 24 वर्ष,कमलेश्वर सिंह पिता बसंत सिंह 29 वर्ष,रूपन पैकरा पिता चुन्नूलाल पैकरा 25 वर्ष को गिरफ्तार कर आज गुरूवार को पुलिस ने सूरजपुर न्यायालय पेश किया है।उक्त कार्यवाही में निरीक्षक थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा, एएसआई अविनाश सिंह, प्रधान आरक्षक नवीन सिंह, सोहर लाल पावले,आरक्षक जय प्रकाश यादव, असिफ अख्तर, योगेश्वर पैकरा, मनोज शर्मा, कृष्णा सिंह व प्यारे लाल राजवाड़े सक्रिय रहे।

ग्रामीणों के खाते से किया जा रहा ठगी की रकम खपाने का अवैध कारोबार

बताया गया कि ऑन लाइन ठगी का अवैध कारोबार करने वाले ठग ग्रामीण क्षेत्र के सीधे सादे व सरल लोगों को भ्रमित कर उनसे उनके बैंक खातों को हर माह निश्चित रकम देने का प्रलोभन देकर उनके बैंक खातों को अपने पास रख ठगी के पैसों का लेन देन कर उपयोग करते हैं। जिले से करीब पांच सौ से भी अधिक बैंक खाते से दूसरे राज्यों खासकर पश्चिम बंगाल के कोलकाता व झारखंड प्रांत में लेनदेन की जानकारी पुलिस जांच में सामने आई है जो पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।